MASA-05

June - Examination 2018

M.A. (Final) Sanskrit Examination

गद्य तथा काव्य

Paper - MASA-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) गद्य के दो भेद कौन कौन से हैं?

(ii) कादम्बरी का प्रारम्भ किस प्रतापी राजा के वर्णन से हुआ है?

(iii) माघ – काव्य के तीन गुणों के नाम लिखिए।

(iv) शिशुपाल वध की कथा का मूल उत्स क्या है?

(v) बिल्हण कहाँ के निवासी थे?

(vi) विक्रमांकदेवचरितम् किस प्रकार का महाकाव्य है?

(vii) शिवमहिम्नः स्तोत्र के रचयिता का नाम लिखिये।

(viii) शिवमहिम्नः स्तोत्र किस छंद में निबद्ध हैं?

खण्ड – ब **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या हिंदी भाषा में कीजिए –

''श्रुता भवद्विरस्य विहङ्गमस्य स्पष्टता वर्णोच्चारणे, स्वरे च मधुरता, प्रथमं तावदिदमेव महदाश्चर्य्यम्, यद्यमसङ्कीर्ण वर्ण प्रविभागामभिव्यक्तमात्रानुस्वार – स्वरसंस्कारयोगां विशेषसंयुक्ताम् अतिपरिस्फुटाक्षरां गिरमुदीरयति। तत्र पुनरपरम्, अभिमतविषये तिरश्चोऽपि मनुजस्येव संस्कारवती बुद्धिपूर्वा प्रवृत्तिः। तथा हि अनेन समुत्क्षिप्तदक्षिणचरणेनोच्चार्य्य जयशब्द मियमार्य्या मामुद्दिश्य परिस्पुटाक्षरं गीता। प्रायेण हि पक्षिणः पशवश्च भयाहार मैथुन – निद्रा– संज्ञामात्र – वेदिनो भवन्ति। इदन्तु महच्चित्रम्।

अथवा

एकस्मिंश्च जीर्णकोटरे जायया सह निवसतः पश्चिमे वयसि वर्तमानस्य कथमपि पितुरहमेवैको विधिवशात् सूनुरभवम्। अति प्रबलयचाभिभूता ममैव जायमानस्य प्रसववेदनया जननी मे लोकान्तरमगमत्। अभिमतजायाविनाश शोकदुःखितोऽपि खलु तातः सुतस्नेहादम्यान्तरे निगृह्य पतुप्रसरमपि शोकमेकाकी सत्संवर्धन पर एवाभवत् । अति परिणतवयाश्च कुशचीरानुकारिणी मल्पाविशिष्ट – जीर्ण – पिच्छजाल– जर्जराम – अवस्त्रस्तांसंदेशशिथिलाम् अपगतोत्पतनसंस्कारां पक्षसन्ततिम् उद्वहन्, उपारूढकम्पतया सन्तापकारिणी मङ्गलग्नां जरामिव विर्धुन्वन् अवठोर शेफालिकाकुसुमनाल–पिञ्जरेण कलममञ्जरी – दलन – मसृणित – क्षीणोन्त्यलेखेन स्फुटिताग्रकोटिना

चञ्चपुटेन परनीडपतिताभ्यः शालिवल्लरीभ्यस्तण्डुल कणानादायादाय वृक्षमूल निपतितानि च शुककुलावदलितानि फलशकलानि समाहृत्य परिभ्रमितुमशक्तो मह्यमदात् । प्रतिदिवसमात्मना च मदुप भुक्त शेषम् अकरोदशनम्

3) निम्न लिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये।

सर्व कार्यशरीरेषु मुक्त्वाङ्गस्कन्धपंचकम्।
सौगतानामिवात्मान्यो नास्ति मन्त्रो महीभृताम्।।

अथवा

पादाहतं यदुत्थाय मूर्धानमधिरोहति।
स्वस्थादेवापमाने ऽपि देहिनस्तद्वरं रजः।

4) निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में व्याख्या कीजिये।

रसध्वनेरध्वनि ये चरन्ति
संक्रान्तवक्रोक्तिरहस्यमुद्राः।
तेऽस्मत्प्रबन्धानवधारयन्तु
कुर्वन्तु शेषाः शुकवाक्य पाठम् ।।

अथवा

कषोपले पौरूषकाञ्जनस्य
पप्रेयशः – पाण्डुसरोरूहाणाम्।
व्यापारयन्दृष्टिमतिप्रहृष्टा
मवाप्त पाणिप्रणये कृपाणे।।

5) कादम्बरी की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिये।

6) बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्; उक्ति की समीक्षा कीजिये।

7) माघकाव्य में राजनीति पर एक लेख लिखिये।

8) विक्रमांकदेवचरितम् की ऐतिहासिकता पर लेख लिखिये।

9) शिव महिम्नः स्त्रोत की साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

खण्ड – स **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) कादम्बरी की समास बहुल भाषा पर एक लेख लिखिये।

11) 'कादम्बरी रसज्ञानामाहारोऽपि न रोचते' उक्ति की समीक्षा कीजिये।

12) विक्रमांक देवचरितम् के आधार पर कवि बिल्हण की काव्य – शैली पर प्रकाश डालिये।

13) 'शिवमहिम्नः स्तोत्र' के आधार पर शिव के स्वरूप पर एक लेख लिखिये।